- भेरक

अंतर सिंह, उप सम्रिट

विकास कार्या

संवा में,

निदेशक, आयुर्वेद एवं यूनानी सेवायें, जतारांचल वेहरादून।

चिकित्सा अनुमाग-1

देहरादूनः दिनांक : उ । मार्च 2005

विषयः राजकीय आयुर्वेदिक कालेज ऋषिकुल हरिद्वार को स्टेट माढल कालेज के रूप में विकस्ति करने विषयक।

महाद्य,

उपर्युक्त विध्यक शासमादेश सं0-536/XXVIII (1) 2005-24/2004 दिनांक 30,32005 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2004-05 में राजकीय आयुर्वेदिक कालंज ऋषिकुल हरिद्वार को स्टेट मांडल कालंज के रूप में विकसित करने हेतु रूठ 40,00,000-00(रूठ चालीस लाख मात्र) की स्वीकृति प्रदान की गयी थी। उक्त शासनादेश के प्रस्तर 13 की पंचित सं0-3 में -01-केन्द्रीय आयोजनागत /केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं -05 ऋषिकुल शांजकीय आयुर्वेदिक तुटिवश अंकित हो गया था। अतः 05 ऋषिकुल राजकीय आयुर्वेदिक पांचित संवादिक पढ़ा जाये। शेष शतं यथावत एहंगी।

2- शासनादेश सं0-536/XXVIII (1) 2005-24/2004 दिनांक 30 नार्च, 2005 उपर्युक्त सीमा तक सरोधित सनझा जाये

भग्रदीय.

(अंतर सिंह) उप समिव

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखत को सूचनार्ध एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून ।
- 2- जिलाधिकारी हरिहार।
- 3- वरेष्ठ कोषधिकारी हरिहार !
- 4- परियोजना प्रबन्धक छ। प्राः राजकीय निर्माण निराम लिए हरिद्वार ।
- वितः अनुमान-2/नियोजन विमान/ऍनआई.सी.।
- ৪- যার্ভ জাইল |

आज्ञा से. — १०० (अतर सिंह) उप सचिव